Roll No. 216.6.2.11.54100 31

(05/23-II)

9954

B. Ed. (General) (Second Year) EXAMINATION

(For Batch 2015 & Onwards)

UNDERSTANDING THE DISCIPLINE AND SUBJECTS

Paper-X

Time : Three Hours *Maximum Marks :* 40

Note : Attempt *Five* questions in all, selecting *one* question from each Unit. Q. No. **1** is compulsory. All questions carry equal marks.

1. Answer the following briefly in **15-20** line each :

   (a) Concept of knowledge about the Universe

   (b) Education as a discipline

   (c) Progressive Education as a Concept

(d) Naturalism with special reference to curriculum and methods of Instructions

Unit I

2. Explain the nature of empirical knowledge and various theories of knowledge.

3. Write a detailed note on 'Emergence of discipline/subjects along with the growth of knowledge.

Unit II

4. What do you understand by Progressive Education ? Highlight its need and importance in the present Indian Educational Scenario.

5. Explain the relevance of Indian School of Philosophy in present times.

Unit III

6. Why do we consider Education as a Discipline and Education as a field of Practice ? Explain.

7. Describe emergence of Education as a basic discipline based on Anthropology and Philosophy.

Unit IV

8. What is Idealism ? What type of curriculum and methods of instructions have been suggested by Idealistic Philosophy ? Explain in detail.

9. Write short notes on any *two* of the following :

   (i) Curriculum and methods of Instructions suggested by Pragmatic philosophy

   (ii) Educational thoughts of Tagore with special reference to curriculum and methods of Instructions

   (iii) Educational thoughts of Gandhiji with special reference to curriculum and methods of Instructions.

(Hindi Version)

नोट : प्रत्येक इकाई में से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रश्न क्र. **1** अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित का संक्षेप में प्रत्येक **15-20** पंक्तियों में उत्तर दीजिए :

   (अ) ब्रह्मांड के बारे में ज्ञान की अवधारणा

   (ब) शिक्षा एक अनुशासन के रूप में

   (स) एक अवधारणा के रूप में प्रगतिशील शिक्षा

   (द) पाठ्यक्रम और निर्देशों के तरीकों के विशेष संदर्भ में प्रकृतिवाद

इकाई I

2. अनुभवजन्य ज्ञान की प्रकृति और ज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए ।

3. 'ज्ञान की वृद्धि के साथ-साथ अनुशासन/विषयों का उद्‌भव' पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए ।

इकाई II

4. प्रगतिशील शिक्षा से आप क्या समझते हैं ? वर्तमान भारतीय शैक्षिक परिदृश्य में इसकी आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालिए ।

5. वर्तमान समय में भारतीय दर्शनशास्त्र की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए ।

इकाई III

6. हम शिक्षा को एक अनुशासन और शिक्षा को अभ्यास का क्षेत्र क्यों मानते हैं ? व्याख्या कीजिए।

7. मानवविज्ञान और दर्शन पर आधारित एक बुनियादी अनुशासन के रूप में शिक्षा के उद्भव का वर्णन कीजिए ।

इकाई IV

8. आदर्शवाद क्या है ? आदर्शवादी दर्शन ने किस प्रकार का पाठ्यक्रम तथा शिक्षण की विधियाँ सुझाई हैं ? विस्तार से व्याख्या कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) व्यावहारिक दर्शन द्वारा सुझाए गए पाठ्यक्रम और निर्देश के तरीके

(ii) पाठ्यक्रम और निर्देशों के तरीकों के विशेष संदर्भ में टैगोर के शैक्षिक विचार

(iii) पाठ्यक्रम और निर्देशों के तरीकों के विशेष संदर्भ में गांधीजी के शैक्षिक विचार ।